दैनिक भास्कर, इंदौर
सोमवार 1 सितंबर, 2014

साइबर क्राइम के ट्रेंड का पता लगाएगा पीआरटीएस

भास्कर संवाददाता | इंदौर

ढाई साल में पूरे प्रदेश में हुए साइबर अपराधों का पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) द्वारा विश्लेषण किया जाएगा। इसके लिए पूरे प्रदेश से साइबर अपराधों की जानकारी इकट्ठा की जा रही है। इससे साइबर क्राइम के ट्रेंड पता लगाया जाएगा।

पीआरटीएस के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने बताया साइबर अपराध भविष्य में और बढ़ेंगे इसलिए इनकी रोकथाम के लिए अभी से तैयारी जरूरी है। इसे देखते हुए पीआरटीएस ने 'टारगेट' नामक अभियान शुरू किया है। इसमें पूरे प्रदेश के साइबर अपराधों पर एनालिसिस किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश के सभी 51 जिलों में जनवरी, 2012 से जून, 2014 तक दर्ज हुए साइबर अपराधों की जानकारी मांगी गई थी। 44 जिलों से जानकारी आ चुकी है। शेष सात जिलों से जानकारी मिलते ही एनालिसिस शुरू कर दिया जाएगा। यह एनालिसिस इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया इसके बाद दूसरे चरण में प्रदेश में इस तरह के सभी अपराधों में क्या विवेचना हुई और क्या की जा रही है यह जानकारी एकत्रित की जाएगी। वहीं तीसरे और अंतिम चरण में इनकी अभियोजन में क्या स्थिति है, इसकी जानकारी रखी जाएगी।

15 श्रेणियों में बांटा जाएगा- आईजी कपूर ने बताया विश्लेषण के लिए साइबर अपराधों को 15 अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा। इससे ये पता लगाया जाएगा कि अपराध का ट्रेंड क्या है।